जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया(उ0प्र0)

हिन्दी साहित्य : पाठ्यक्रम

बी0ए0 : साहित्यिक हिन्दी

बी. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

सत्र : 2018–2019 से प्रभावी

बी. ए. तृतीय वर्ष

सत्र : 2019–2020 से प्रभावी

बी0ए0 प्रथम वर्ष : हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–मध्ययुगीन काव्य(कबीर, रैदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास)

इकाई 2–मध्ययुगीन काव्य(गोस्वामी तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, भूषण)

इकाई 3–रस, अलंकार तथा छन्द

इकाई 4–महाकाव्य, खण्डकाव्य तथा मुक्तक काव्य

पाठ्य ग्रन्थ :

1–मध्ययुगीन काव्य : संपादन : डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव

संकलित रचनाकार :

कबीर, रैदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, गोस्वामी तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, भूषण,

2–काव्यांग कौमुदी–आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(क) रस, अलंकार और छन्द पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–

1–रस और उसके अवयवों का सामान्य परिचय, रसों का वर्गीकरण–लक्षण एवं संक्षिप्त उदाहरण।

2–(अ) शब्दालंकार–अनुप्रास(छेकानुप्रास, वृत्त्यनुप्रास, लाटानुप्रास), यमक श्लेष और वक्रोक्ति।

(ब) अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, श्लेष, परिसंख्या, अनन्वय, प्रतिवस्तूपमा, दीपक, काव्यलिंग, उल्लेख, दृष्टान्त, स्मरण, सन्देह, भ्रान्तिमान, व्यतिरेक, विशेषोक्ति, व्याजस्तुति, विभावना, विरोधाभास, असंगति, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, अपह्नुति, स्मरण, प्रतीप, मालोपमा।

3–छन्द : (अ) मात्रिक छन्द : चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, बरवै, दोहा, सोरठा।

(ब) वर्णवृत्त : इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, सवैया, कवित्त।

(ख) महाकाव्य, खण्ड काव्य तथा मुक्तक काव्य।

सहायक ग्रन्थ :

1–त्रिवेणी	रामचन्द्र शुक्ल
2–कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी
3–मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	डॉ0 शिवसहाय पाठक
4–सूरदास	ब्रजेश्वर वर्मा

5–तुलसी काव्य मीमांसा	उदयभानु सिंह
6–तुलसी–साहित्य–चिंतनधारा	डॉ0 मुनींद्र तिवारी
7–बिहारी की वाग्विभूति	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8–बिहारी का नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
9–घनआनन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा	डॉ0 मनोहरलाल गौड़
10–भूषण का आचार्यत्व और कवित्व	डॉ0 अवधेश कुमार सिंह
11–अलंकार–मंजूषा	लाला भगवानदीन
12–काव्यांग–प्रकाश	डॉ0 विजयपाल सिंह

बी0ए0 प्रथम वर्ष : हिन्दी

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य

सभी इकाइयों से संबन्धित यह प्रश्नपत्र पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ रहेगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

कुल प्रश्नों की संख्या : 100 पूर्णांक : 100

इकाई 1–अभिनव निबन्ध (निबन्ध–संग्रह)
इकाई 2–निर्मला (उपन्यास)
इकाई 3–ध्रुवस्वामिनी (नाटक)
इकाई 4–गद्यरूप

पाठ्यग्रन्थ :

1–अभिनव निबन्ध : सम्पादन : डॉ0 फूलबदन सिंह

संकलित निबन्धकार : 1–प्रताप नारायण मिश्र–चिन्ता, 2–महावीर प्रसाद द्विवेदी–साहित्य की महत्ता, 3–सरदार पूर्ण सिंह–सच्ची वीरता, 4–रामचन्द्र शुक्ल–श्रद्धा–भक्ति, 5–हजारी प्रसाद द्विवेदी–नाखून क्यों बढ़ते हैं, 6–हरिशंकर परसाई–विकलांग श्रद्धा का दौर, 7–विद्यानिवास मिश्र–मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, 8–कुबेरनाथ राय–संस्कृति का शेषनाग, 9–विवेकी राय–क्या बसन्त आ गया?

2–निर्मला(उपन्यास) प्रेमचन्द

3–ध्रुवस्वामिनी (नाटक) जयशंकर प्रसाद

4–गद्यरूप(सामान्य सैद्धान्तिक परिचय)–निबन्ध, नाटक, उपन्यास, कहानी।

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
2–हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय
3–हिन्दी गद्य शैली का विकास	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

4–हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5–उपन्यास की संरचना	गोपाल राय
6–साहित्यिक निबन्ध	सं0 डॉ0 त्रिभुवन सिंह
7–हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास	दशरथ ओझा
8–हिन्दी नाटक	डॉ0 बच्चन सिंह
9–आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच	लक्ष्मी नारायण लाल
10–प्रेमचन्द और उनका युग	रामविलास शर्मा
11–हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	डॉ0 बाबूराम

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष : हिन्दी
प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–आधुनिक हिन्दी काव्य (मैथिली शरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद)
इकाई 2–आधुनिक हिन्दी काव्य (सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पन्त)
इकाई 3–आधुनिक हिन्दी काव्य (महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर)
इकाई 4–आधुनिक हिन्दी काव्य (अज्ञेय, नागार्जुन, सुदामा पाण्डेय धूमिल)

पाठ्य ग्रन्थ :

आधुनिक हिन्दी काव्य : सम्पादन : डॉ0 अजय बिहारी पाठक

संकलित रचनाकार : 1–मैथिलीशरण गुप्त : पंचवटी (अंश), यशोधरा–विरह, हमारे पूर्वज, 2–जयशंकर प्रसाद : ले चल वहाँ भुलावा देकर, बीती विभावरी जाग री!, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण, 3–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : जागो फिर एक बार, बादल राग, वह तोड़ती पत्थर, 4–सुमित्रानंदन पन्त : मौन निमन्त्रण, प्रथम रश्मि, पर्वत प्रदेश में पावस, 5–महादेवी वर्मा : विरह का जलजात जीवन, बीन भी हूँ, मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, 6–रामधारी सिंह दिनकर : जनतंत्र का जन्म, नारी, कलम आज उनकी जय बोल, 7–सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, यह द्वीप अकेला, 8–नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, प्रेत का

बयान, बादल को घिरते देखा है, 9–सुदामा पाण्डेय धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद, धूमिल की अन्तिम कविता।

सहायक ग्रन्थ :

1–मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य–कमलाकान्त पाठक
2–प्रसाद का काव्य–प्रेमशंकर
3–निराला की साहित्य साधना–2 –रामविलास शर्मा
4–क्रान्तिकारी कवि निराला–बच्चन सिंह
5–सुमित्रानन्दन पन्त–डॉ0 नगेन्द्र
6–महादेवी वर्मा–जगदीश गुप्त
7–दिनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व सं0 जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
8–अज्ञेय की कविता : परम्परा और प्रयोग–रमेश ऋषिकल्प
9–नागार्जुन की कविता–अजय तिवारी
10–प्रसाद काव्य का नया मूल्यांकन–डॉ0 युगेश्वर
11–छायावाद के गौरव चिह्न–श्रीपाल सिंह क्षेम
12–छायावाद–नामवर सिंह
13–आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष : हिन्दी
द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन, सीमा और नामकरण (प्रमुख विद्वानों के मत), आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ और प्रवृत्तियाँ।

इकाई 2 :

भक्ति आन्दोलन के कारण तथा भक्ति का उद्‌भव और विकास, भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रमुख प्रवित्तियाँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई 3 :

रीतिकाल का नामकरण, विभिन्न धाराएँ तथा प्रवृत्तियाँ, शृंगारेतर काव्य प्रवृत्तियाँ–नीति काव्य, भक्ति काव्य तथा वीर काव्य की प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।

इकाई 4 :

आधुनिक काल (कविता) :

(क) भारतेन्दुयुगीन काव्य प्रवृत्तियाँ (ख) द्विवेदीयुगीन काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ (ग) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नयी कविता : स्वरूप और प्रवृत्तियाँ

आधुनिक हिन्दी (गद्य) की विभिन्न विधाओं (निबन्ध, नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, आलोचना) का विकासात्मक परिचय।

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2–हिन्दी साहित्य का इतिहास	लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3–हिन्दी साहित्य का अतीत भाग 1 एवं 2 तथा सामयिक साहित्य	पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र
4–हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
5–हिन्दी साहित्य का इतिहास	सम्पादक डॉ0 लालसाहब सिंह
6–हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
7–हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
8–हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास	डॉ0 वासुदेव सिंह
9–हिन्दी साहित्य : एक परिचय	डॉ0 त्रिभुवन सिंह

बी0 ए0 तृतीय वर्ष : हिन्दी
प्रथम प्रश्नपत्र : साहित्य–सिद्धान्त और आलोचना

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1–भारतीय साहित्य–सिद्धान्त

(क) काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

(ख) शब्द–अभिधा, लक्षणा और व्यंजना का लक्षण उदाहरण सहित सामान्य परिचय।

इकाई 2–भारतीय साहित्य–सिद्धान्त

(क) काव्य–गुण–माधुर्य, ओज तथा प्रसाद।

(ख) काव्य–दोष, श्रुतिकटु, च्युतसंस्कृति, दुष्क्रम, अधिकपदत्व, न्यूनपदत्व, क्लिष्ट, स्वशब्दवाच्यत्व, पुनरुक्ति।

(ग) रस, अलंकार तथा ध्वनि सम्प्रदाय का सामान्य परिचय।

इकाई 3–पाश्चात्य साहित्य–सिद्धान्त

(क) प्लेटो की काव्य सम्बन्धी मान्यता।

(ख) अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त।

(ग) मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति।

(घ) शास्त्रवाद और स्वच्छन्दतावाद।

इकाई 4–आलोचना : स्वरूप एवं प्रकार, आलोचक के प्रमुख गुण, हिन्दी के प्रमुख आलोचकगण (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ0 नगेन्द्र, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ0 रामविलास शर्मा)

सहायक ग्रन्थ :

1–काव्यशास्त्र–डॉ0 भगीरथ मिश्र

2–पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 भगीरथ मिश्र

3–भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी

4–भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र

5–रस–मीमांसा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

6–रस सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण–डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित

7–पाश्चात्य साहित्य चिन्तन–निर्मला जैन

8–भारतीय काव्य विमर्श–डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी

9–ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सिद्धान्त–डॉ0 भोलाशंकर व्यास

10–अलंकार–मुक्तावली–देवेन्द्र नाथ शर्मा

11–भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र

12–भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव

13–आलोचक और आलोचना–डॉ0 बच्चन सिंह

14–आलोचक का दायित्व–रामचन्द्र तिवारी

15–हिन्दी आलोचना का विकास–नन्दकिशोर नवल

16–रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना–डॉ0 रामविलास शर्मा

17–हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ–डॉ0 रामदरश मिश्र

18–आधुनिक हिन्दी आलोचना–डॉ0 हरिमोहन

19–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीः व्यक्तित्व और कृतित्व–गणपतिचन्द्र गुप्त

20–समीक्षा के मानदण्ड और हिन्दी समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ–डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन

21–हिन्दी आलोचना की आधुनिक प्रवृत्तियाँ और उन पर पाश्चात्य प्रभाव–डॉ0 शंकर लाल गुप्ता

22–शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना (नव्य हिन्दी समीक्षा)–डॉ0 कृष्णवल्लभ जोशी

23–शुक्लोत्तर काव्य–चिन्तन–डॉ0 श्यामबिहारी राय

24–शुक्लपूर्व आधुनिक हिन्दी आलोचना–डॉ0 मंगला प्रसाद सिंह
25–आधुनिक हिन्दी साहित्य में आलोचना का विकास–डॉ0 वेंकट शर्मा
26–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य सिद्धान्त–डॉ0 रामकृपाल पाण्डेय
27–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त–डॉ0 रामलाल सिंह
28–नगेन्द्र की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक समीक्षा–एस0 लक्ष्मी

द्वितीय प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 : 1–भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय (क) भाषा विज्ञान के अंग (ख) विषय–क्षेत्र (ग) अध्ययन की पद्धतियाँ।

2–भाषा : (क) भाषा का स्वरूप (ख) भाषा की उत्पत्ति (ग) भाषा की प्रवृत्ति एवं विशेषताएँ (घ) भाषा, विभाषा और बोली।

3–ध्वनि विज्ञान : (क) हिन्दी ध्वनियों का सामान्य परिचय (ख) ध्वनि–परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई 2 : 1–रूप विज्ञान : अर्थतत्त्व तथा सम्बन्धतत्त्व का परिचय, प्रकार और संयोग।

2–अर्थविज्ञान : सामान्य परिचय : (क) अर्थ का तात्पर्य और महत्त्व (ख) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध (ग) अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।

3–भारतीय आर्य भाषा परिवार : प्राचीन मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्य भाषा का सामान्य परिचय।

इकाई 3 : 1–हिन्दी : (क) हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति (ख) हिन्दी का क्षेत्र विस्तार (ग) हिन्दी भाषा का विकास (सामान्य परिचय)।

2–हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ : खड़ी बोली, ब्रजी, अवधी तथा भोजपुरी का सामान्य परिचय।

3–हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा तथा सम्पर्क भाषा

इकाई 4 : 1–हिन्दी शब्द भण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज तथा आगत अथवा विदेशी शब्द।

2–देवनागरी लिपि (क) उद्भव और विकास (ख) गुण–दोष (ग) सुधार के प्रयत्न

सहायक ग्रन्थ :

1–भाषा विज्ञान	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2–हिन्दी भाषा	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3–भाषा विज्ञान शब्द–कोश	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4–भाषा विज्ञान की भूमिका	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
5–भारत के प्राचीन भाषा–परिवार (तीन भाग)	डॉ0 रामविलास शर्मा
6–भाषाशास्त्र का उद्भव और विकास	डॉ0 उदयनारायण तिवारी
7–हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
8–सामान्य भाषा विज्ञान	डॉ0 बाबूराम सक्सेना
9–भाषा विज्ञान	डॉ0 कर्ण सिंह
10–भाषा विज्ञान और हिन्दी साहित्य की भूमिका	डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय
11–भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा तथा लिपि	डॉ0 रघुवंश मणि पाठक,

बी0 ए0 तृतीय वर्ष : हिन्दी
तृतीय प्रश्नपत्र : उपन्यास, कहानी, एकांकी तथा लघु ग़द्य विधाएँ

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–रागदरबारी (उपन्यास) : श्रीलाल शुक्ल
इकाई 2–हिन्दी कहानी
इकाई 3–एकांकी सप्तक
इकाई 4–गद्य विविधा

पाठ्य ग्रन्थ :

1–रागदरबारी (उपन्यास) : श्रीलाल शुक्ल

2–हिन्दी कहानी : सम्पादन : डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव

संकलित कहानीकार :

1–प्रेमचन्द–कफन, 2–जयशंकर प्रसाद–गुण्डा, 3–सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय–रोज, 4–मोहन राकेश–आर्द्रा, 5–अमरकान्त–बस्ती, 6–शिवप्रसाद सिंह–कर्मनाशा की हार, 7–काशीनाथ सिंह–सुख, 8–दूधनाथ सिंह–रीछ, 9–निर्मल वर्मा–लंदन की एक रात, 10–उषा प्रियंवदा–वापसी।

3–एकांकी सप्तक : सम्पादन : डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह एवं डॉ0 बब्बन राम

संकलित एकांकीकार :

1–रामकुमार वर्मा–औरंगजेब की आखिरी रात, 2–भुवनेश्वर–स्ट्राइक, 3–उपेन्द्रनाथ अश्क–लक्ष्मी का स्वागत, 4–जगदीश चन्द्र माथुर–रीढ़ की हड्डी, 5–विष्णु प्रभाकर–सीमा रेखा, 6–उदयशंकर भट्ट–स्त्री का हृदय, 7–लक्ष्मीनारयण लाल–बसन्त ऋतु का नाटक।

4–गद्य विविधा : सम्पादन : डॉ0 संतोष कुमार सिंह

संकलित विधाएँ :

1–रेखाचित्र : महादेवी वर्मा–अलोपी, 2–रिपोतार्ज : विवेकी राय–सावधान, गाँव में शहर आ पहुँचा, 3–जीवनी : अमृत राय–कलम का सिपाही (चयनित अंश), 4–आत्मकथा : हरिवंश राय बच्चन–क्या

भूलूँ क्या याद करूँ(चयनित अंश), 5–संस्मरण : कृष्णदत्त पालीवाल–कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, 6–यात्रावृत्त : राहुल सांकृत्यायन–अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा, 7–व्यंग्य : हरिशंकर परसाई–इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर।

सहायक ग्रन्थ :

1–उपन्यास और लोकजीवन	रेल्फ फॉक्स
2–हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इन्द्रनाथ मदान
3–हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
4–हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास	डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन
5–एकांकी और एकांकीकार	रामचरण महेन्द्र
6–हिन्दी एकांकी की शिल्प–विधि का विकास	सिद्धनाथ कुमार
हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन	भुवनेश्वर महतो
7–नयी कहानी की भूमिका	कमलेश्वर
8–नयी कहानी : सन्दर्भ और प्रवृत्ति	देवीशंकर अवस्थी
9– हिन्दी कहानी	राजेन्द्र यादव
10–नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य	डॉ0 रामकली सर्राफ
11–हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास	लक्ष्मीनारायण लाल
12–हिन्दी जीवनी साहित्य स्वरूप और विकास	भगवानदास महाजन
13–सामाजिक संरचना की नयी कहानी	डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव
14–साठोत्तरी कहानी समग्र विवेचन	डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव
15–हिन्दी साहित्य में हास्य रस	डॉ0 बरसाने लाल चतुर्वेदी
16–हिन्दी व्यंग्य का इतिहास	सुभाष चन्दर